भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
कृषि अनुसंधान भवन-II, पूसा, नई दिल्ली 110 012
INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH
KRISHI ANUSANDHAN BHAVAN-II, PUSA, NEW DELHI 110 012

डा. नरेन्द्र सिंह राठौड़
उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा)
Dr. Narendra Singh Rathore
Deputy Director General (Agril. Edn.)

Phone : 011-25841760 (O)
Fax : 011-25843932
E-mail : ddgedn@gmail.com
nsrdsr@gmail.com
Website: www.icar.org.in

दिनाँक दिसम्बर 1, 2016

महोदय जी,

हमारे देश के प्रथम कृषि मंत्री एंव स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति डा राजेन्द्र प्रसाद जी के जन्म दिवस (3 दिसंबर) के उपलक्ष्य में भारत सरकार के कृषि एंव किसान कल्याण मन्त्रालय ने यह निर्णय किया हैं कि 3 दिसंबर प्रतिवर्ष "कृषि शिक्षा दिवस" के रूप में मनाया जायेगा !

डा राजेन्द्र प्रसाद का जन्म 3 दिसंबर 1884 को बिहार के एक छोटे से गांव जीरादेई में हुआ था ! डा राजेन्द्र प्रसाद भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से थे, उन्होनें भारतीय संविधान के निर्माण में भी अपना योगदान दिया था ! उन्होनें 12 वर्षों तक राष्ट्पति के रूप में कार्य करने के पश्चात् वर्ष 1962 में अपने अवकाश की घोषणा की ! उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए भारत सरकार ने 1962 में उन्हे देश का सर्वोच्च सम्मान "भारत रत्न" से सम्मानित किया गया था ! अपने आदर्शों एंव श्रेष्ठ भारतीय मूल्यों के लिए राष्ट् के लिए वे सदैव प्रेरणास्त्रोत बने रहेगें ! उनके भारत में शिक्षा एंव कृषि के विकास के योगदान को ध्यान में रखकर कृषि एंव किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने 3 दिसंबर को "कृषि शिक्षा दिवस" के रूप में मनाने का निर्णय करा हैं !

इस सदंर्भ में सभी आईसीएआर संस्थानों/कृषि विश्वविद्यालयों को अनुरोध किया जाता है कि सभी आईसीएआर, संस्थानों एंव कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा 3 दिसंबर को दिन भर चलने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, जैसे वाद-विवाद प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, प्रदर्शनी कृषि वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं प्रशांसकों और किसानें के साथ पारस्परिक संपर्क तथा प्रख्यात व्यावसायियों द्वारा दिए जाने वाले प्रेंरणादायक व्याख्यानों से राज्य के स्कूली छात्र व छात्राओं को प्रोत्साहन मिले ! सभी आईसीएआर संस्थानों/कृषि विश्वविद्यालय से यह आशा की जाती है कि कार्यक्रम का ज्यादा से ज्यादा प्रचार एवं प्रसार करें तथा हमारे कृषि शिक्षा के विद्यार्थी को डा राजेन्द्र प्रसाद के विचारों से अवगन करावे ताकि हमारे युव. भारत निर्माण में अग्रसर होकर अपनी स्थिति को विश्व में प्रथम स्थान पर ला सकें !

घन्यवाद

भवदीय

(डा नरेन्द्र सिंह राठौड़)
(उप महानिदेशक कृषि शिक्षा)